>

Title: Need to check the supply of spurious drugs in the country.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): आदरणीय सभापति महोदया, आपने मुझे आज देश में नकली एवं मिलावटी दवाइयों का प्रसार रोकने की आवश्यकता जैसे महत्व के विषय पर जीरो ऑवर में बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

सभापति महोदया, बीमार लोगों को स्वास्थ्य प्रदान करने हेतु इलाज के जरिए दवाइयां दी जाती हैं ताकि बीमार पुन: अच्छा होकर स्वास्थ्य प्राप्त करे।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : सभापति महोदया, हाउस में कोई भी संसदीय कार्य मंत्री नहीं है, जो हमारी बातों को नोट कर रहा हो।...(व्यवधान)

MADAM CHAIRMAN: Hon. Minister is sitting here.

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : माननीय संसदीय कार्य मंत्री को यहां रहना चाहिए।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: आप जानते हैं कि कलेक्टिव रेस्पोंसिबिल्टी होती है, आप खुद रहे हुए हैं और यहां मंत्री जी बैठे हुए हैं।

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण : सभापति महोदया, आज पूरे देश में एक गंभीर चिन्ता का विषय उभर कर सामने आया है कि उपचार के लिए जिन दवाइयों का प्रयोग किया जाता है, उनमें कई दवाइयां नकली एवं मिलावटी हैं। जिनका प्रयोग करने से रोगी की बीमारी ठीक नहीं होती, अंत में रोगी मर जाता है। साथ में आर्थिक रूप से भी खुवार हो जाता है और पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है।

सभापति महोदया, एक परीक्षण की रिपोर्ट के अनुसार देश में बिकने वाली दवाइयों में से 30 प्रतिशत से ज्यादा दवाइयां नकली एवं मिलावटी पाई गई हैं, जिनका कारोबार करोड़ों के आसपास होने की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी 30-35 प्रतिशत नकली एवं मिलावटी दवाइयों की आपूर्ति भारत से होती है। अभी थोड़े दिन पूर्व एक नकली वदाइयां बनाने वाली फैक्ट्री का भी भंडाफोड़ हुआ है।

सभापति महोदया, आपके माध्यम से मेरी सरकार से मांग है कि वह इस बात को गंभीरता से ले तथा देश में औषध परीक्षण युनिटों की संख्या बढ़ाए एवं दोषी पाए गए अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करे ताकि इस दुषण से देश को छुटकारा मिले। धन्यवाद।